NT>

Title: Regarding problems faced by the tribes and the original inhabitants of the state of Jharkhand.

श्री सालखन मुर्मू (मयूरभंज) : अध्यक्ष महोदय, भारत की पार्लियामैंट ने झारखंड प्रदेश का गठन किया किन्तु आज दो वर्षों के बाद भी आदिवासी, मूलवासियों की आशा और आकांक्षा झारखंड में धूमिल होती जा रही है। इसके लिए राज्य सरकार, विरोधी दल, झारखंड हाईकोर्ट और पुलिस प्रशासन भी जिम्मेवार है। इसके अलावा झारखंड की समस्याओं पर मीडिया की तरफ से भी कोई ठीक बात देश के सामने नहीं आ रही है। झारखंड के राज्य गठन का औचित्य डोमिसाइल और आरक्षण जैसे सवाल पर विफल होता जा रहा है। झारखंड के गांवों में 90 प्रतिशत लोग आदिवासी और मूलवासी हैं। उनके हित संवर्धन के लिए झारखंड राज्य बना था और इसीलिए इसे बिहार से अलग किया गया, लेकिन आज झारखंड फिर बिहार बन रहा है क्योंकि रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो जैसे शहरों में रहने वाले लोग ही झारखंड की राजनीति पर कब्जा जमाये हुए हैं। वही लोग पूंजीपति हैं तथा ठेकेदारी वगैरह सारी चीजें कर रहे हैं।

ऐसी हालत में, मेरे विचार से झारखंड में जनतंत्र विफल हो रहा है और पुलिस की बर्बरता खुलकर सामने आई है। विगत 9 दिसम्बर को झारखंड बंद हुआ। उसमें बिहार पुलिस ने आदिवासी महिलाओं के साथ बदसलूकी की। महिलाओं को पुरुष पुलिस वालों ने पीटा। मेरी मांग है कि इसकी जांच होनी चाहिए अन्यथा झारखंड में स्थिति बहुत खराब हो जाएगी।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Every 'Zero Hour' submission has to be completed within two minutes.

श्री सालखन मुर्मू : हजारीबाग जिला, जहां से भारत के विदेश मंत्री माननीय यशवंत सिन्हा सांसद हैं, उस जिले के हजारीबाग शहर में बिरसा टोला को बिना नोटिस दिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया और मरियम टोली तथा सरना टोला को भी ध्वस्त कर देने का आदेश है। उन टोलों में केवल आदिवासी और दलित लोग रहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। मैं अभी कुछ रिकार्ड में नहीं लूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri P. Mohan will speak now. Whatever Shri Salkhan Murmu says further will not go on record.

*(Interruptions)**

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय हमारा कल भी नोटिस था।

अध्यक्ष महोदय : सबके मैटर आ जाएंगे।

* Not Recorded.